इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

वर्ष-2, अंक- 12 | त्रैमासिक पत्रिका | जनवरी से मार्च 2011

कुलपति डॉ. एम.पी. पांडे, डी.आर.एस. डॉ. पाटिल, अधिष्ठाता डॉ. राव द्वारा मक्का एवं गेहूँ प्रदर्शन का अवलोकन

माननीय कुलपति डॉ. एम.पी. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. एस.के. पाटिल अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. राव को डॉ. एस.सी. मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक ने 05 फरवरी, 2011 को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन मक्का एवं गेहूँ का अवलोकन कराया । कुलपति महोदय द्वारा कृषकों एवं वैज्ञानिकों से फसल प्रदर्शन पर चर्चा की गयी । इस अवसर पर डॉ. जी.पी. पाली, डॉ. बी.एस.किरार, डॉ. एस.सी. यादव, आर.एस. राजपूत एवं ए.के. सोनपाकर उपस्थित थे ।

राज्य स्तरीय किसान मेला में बस्तर प्रदर्शनी प्रथम

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 14–15 फरवरी, 2011 के राज्य स्तरीय किसान मेला में श्री चंद्रशेखर साहू, मान. कृषि मंत्री, छ.ग. शासन के हाथों के.वी.के. बस्तर की प्रदर्शनी की प्रथम पुरस्कार दिया गया । इस मेले में 16 कृषि विज्ञान केंद्र एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगायी थी । जिसमें मूल्याकंन/निर्णायक समिति द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर की प्रदर्शन को प्रथम स्थान दिया गया था । कृषि विज्ञान केंद्र की प्रगति एवं सफल क्रियान्वयन में डॉ. एम.पी. पांडे, माननीय कुलपति का संरक्षण, डॉ. जे.एस.उरकुरकर, निदेशक विस्तार का कुशल मार्गदर्शन में डॉ. एस.सी.मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक के नेतृत्व में अच्छा कार्य कर रहे हैं।

बस्तर कृषक इस्माईल एवं कमल किशोर को नवोन्मेषी पुरस्कार

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा राज्य स्तरीय किसान मेला (14–15 फरवरी, 2011) को माननीय कृषि मंत्री छ.ग. शासन श्री चंद्रशेखर साहू के हाथों कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर के चयनित नवोन्मेषी कृषक इस्माईल खान, ग्राम–बालेंगा एवं कमल किशोर कश्यप, ग्राम बडे चकवा को स्वंय के द्वारा निर्मित जैविक नाशी दवायें और कतार बुवाई यंत्र के क्षेत्र में प्रशास्ति पत्र दिया गया।

डॉ. उरकुरकर, निदेशक द्वारा के.वी.के कार्यो का अवलोकन

डॉ. जे.एस. उरकुरकर, निदेशक विस्तार सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा (22–24 फरवरी, 2011) तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर के चयनित गांव– मसोरा, बडे भिरावंड, बोलबोला, जरें बेंदरी, बडे बेंदरी, बालेंगा, मालगांव, मेटगुड़ा, बडे किलेपाल, कोडेनार एवं तिरथूम आदि गांवो में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन – मक्का, गेहूँ, मटर, अलसी , प्रदर्शनी का अवलोकन एवं कृषकों से वार्तालाप किया गया । इस दौरान डॉ. एस.सी. मुखर्जी, कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. जी.पी. पाली, डॉ. डी. एस. ठाकुर, श्री घनश्याम जांगड़े, सी. ई.ओ. बास्तानार, डॉ. बी.एस. किरार, डॉ. बी.एस. असाटी, डॉ. एस.सी. यादव, आर.एस. राजपूत एवं ए.के. सोनपाकर, आदि साथ में थे।

इस्माईल को नई दिल्ली में प्रगतिशील कृषक सम्मान

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई–दिल्ली में विगत दिवस 3–5 मार्च, 2011 में राष्ट्रीय किसान मेला में कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर के चयनित कृषक शेख इस्माईल खाँ ग्राम–बालेंगा, वि.ख. बस्तर के कृषक को प्रगतिशील कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इस्माईल खाँ 15 एकड़ भूमि पर ड्रिप सिंचाई विधि से धान के बाद मिर्च का सफल उत्पादन कर औसतन 1.5 लाख रू. प्रति एकड़ शुद्ध लाभ कमा रहा है । इस पुरस्कार मिलने पर डॉ. एस.सी.मुखर्जी, रत्ना नशीने, डॉ. बी.एस.किरार, डॉ. बी.एस.एस. असाटी, डॉ. एस.सी.यादव, श्री आर.एस. राजपूत, श्री ए.के. सोनपाकर, वैज्ञानिक एवं सभी कर्मचारियों ने बधाई दिया।

कृषक दिवस की एक झलक

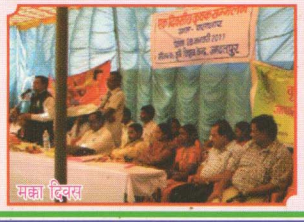

संरक्षक
डॉ. एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. जे.एस. उरकुरकर
निदेशक विस्तार सेवायें,
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक आंचलिक ईकाइ जोन 7 जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक, के.वी.के. बस्तर

संपादक
डॉ. बी.एस.किरार
सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने, डॉ.बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत, ए.के. सोनपाकर

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

भा. कृ.अनु.प. ICAR

वर्ष-3, अंक-13 | त्रैमासिक पत्रिका | अप्रैल से जून 2011

राष्ट्रीय फखरुद्दीन अली अहमद पुरस्कार, 2010 हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र वैज्ञानिकों का चयन

फखरुद्दीन अली अहमद पुरस्कार (वर्ष 2010) Tribal farming system में उत्कृष्ठ अनुसंधान एवं तकनिकी विस्तार कार्य के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के वैज्ञानिकों (डॉ. एस.सी. मुखर्जी, डॉ. यू.एस. गौतम एवं रत्ना नशीने) को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा चयन किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस 16 जुलाई 2011 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में दिया जायेगा। पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र एवं 1,00000 रु. नगद एवं 1,00000 रु. अनुसंधान कार्य हेतु दिये जायेगें।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत धान का बस्तर जिले में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत संचालक अनुसंधान सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निर्देशन में धान की उन्नत जातियों के बीज के प्रचार-प्रसार एवं उन्नत बीजों के फैलाव के साथ-साथ बीज उत्पादन हेतु 200 एकड़ में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लिया जा रहा है।

यह प्रदर्शन 150 कृषकों के खेतों पर 16 गाँव व 5 विकास खण्डो में लिया गया है। प्रदर्शन उन्नत किस्मों सहित पूर्ण तकनिक के साथ क्रियान्वित किये जा रहे हैं

किस्में	अवधि	उपज क्वि./हे.	विशेषताएं
समलेश्वरी	110 दिन	40	बौनी, गंगई निरोधक, लम्बा, पतला दाना
चन्द्रहासिनी	120 दिन	50	बौनी, गंगई निरोधक, मध्यम पतला दाना
कर्मा मासूरी	120 दिन	50	बौनी, गंगई निरोधक, मध्यम पतला दाना
बम्लेश्वरी	140 दिन	50	बौनी, मोटे दाने, पोहा एवं मुरमुरे हेतु उपयुक्त।

राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना घटक -2 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन रागी (21 हे.) एवं कोदो (9 हे.)

रागी एवं कोदो फसलों को उच्चहन एवं कम उपजाऊ भूमि व कठोर जलवायु वाले स्थानों में आसानी से उगाया जा सकता है। इन्हें अन्य फसलों की अपेक्षा कम उर्वरक एवं सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। रागी एवं कोदो आदिवासी लोगों की मनपसंद फसलें है। उनमें रेशा अधिक व इनका ग्लाइसिमिक इण्डेक्स कम होने से रक्त शक्कर नियंत्रित रहता है और प्राकृतिक कैल्शियम अधिकता में पाये जाते हैं। शरीर के द्वारा सरलता से अवशोषित हो जाता है। इन्हीं सब उपयोगिता को देखते हुए राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना घटक-2 के अन्तर्गत अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन-रागी 21 हे. एवं कोदो 09 हे. 75 कृषकों के खेतों पर 6 गाँवों में क्रियान्वित किये जा रहे हैं। जिनमें निम्न तकनीक अपनाई जा रही है -

किस्में - रागी : जी.पी.यू. 28 और कोदो : जे.के.-439

बीजदर - 12 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर

बुवाई का समय - जुलाई का द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह उपयुक्त होता है।

बुवाई विधि - कतार से 25-30 से.मी. की दूरी पर उर्वरक की मात्रा रागी- नत्रजन 50 कि.ग्रा., स्फुर 30, पोटाश 20 कि.ग्रा./ हे. एवं कोदो-एन:पी:के: 40:20:10

75 एकड़ अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन-मक्का का क्रियान्वयन मक्का अनुसंधान निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

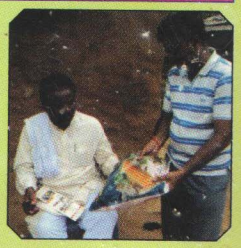

कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर को खरीफ 2011 में 75 एकड़ अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन-मक्का, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद जोन-7 जबलपुर द्वारा कृषकों तक संकर मक्का की उन्नत तकनीक का कार्यक्रम दिया गया। इसके सफल क्रियान्वयन हेतु डॉ. बी.एस. किरार (समन्वयक), डॉ. एस.सी. यादव (सदस्य), आर.एस. राजपूत (सदस्य), का प्रदर्शन दल गठित किया गया। प्रदर्शन कार्यक्रम में 75 कृषक, 18 गाँव एवं 6 विकास खण्ड में किये जा रहे हैं।

प्रदर्शन में अनुसंशित तकनिक का समावेश

बीजदर - 7-8 कि.ग्रा./एकड़

किस्म - स्कोरपियो, हाई सेल, 8255, पी. 3501

उर्वरक - नत्रजन-40, स्फुर- 24 कि.ग्रा., जिंक-10कि.ग्रा. प्रति एकड़। यूरिया-85 कि.ग्रा., सिंगल सुपर फास्फेट -150 एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 20 कि.ग्रा./एकड़ प्रयोग करें।

बुवाई विधि - कतार एवं बीज की दूरी - 60-25 से.मी. एवं 70-20 से.मी.।

पौधों की संख्या - 25-30 हजार/एकड़।

दीमक से बचाव - क्लोरपायरीफॉस 1.5% चूर्ण 10 कि.ग्रा./एकड़ बुवाई के समय खेत में मिला दें।

नीदानाशक दवा - एट्राजिन 400 से 500 ग्राम को 200-250 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ बुवाई के 2-3 दिन के अन्दर छिड़काव करें।

उर्वरक का उपयोग - नत्रजन की 10% मात्रा, फास्फोरस, पोटाश एवं जिंक की पूरी मात्रा बुवाई के समय देवें।

नत्रजन की शेष मात्रा निम्नानुसार -

20% 4 पत्ती की अवस्था में, 30% 8 पत्ती की अवस्था में

30% पुष्पन की अवस्था में, 10% दाना भरने की अवस्था में

जल प्रबंधन - खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें और फसल में पानी भरा नहीं रहना चाहिए।

तना भेदक कीट - मक्का में तना भेदक एवं प्ररोह मक्खी एक गंभीर समस्या है। कीट की सूडिंया तने में छेद करके अंदर ही खाती है इसके बचाव हेतु दानेदार दवा कार्बोयूरान 3जी. 10 कि.ग्रा. एवं फारेट 10जी 4 कि.ग्रा./एकड़ की दर से पौधे के गाभ में डालें।

संरक्षक
डॉ.एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शन
डॉ.जे.एस.उरकुरकर
निदेशक विस्तार सेवायें
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक आंचलिक ईकाई जोन 7 (ICAR) जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता, कृषि महा.एवं अनु. केन्द्र, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक,
कृषि विज्ञान केन्द्र
बस्तर (छ.ग.)

संपादक
डॉ. बी.एस. किरार
सह-सम्पादक-डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने,
डॉ. बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत, ए.के. सोनपाकर

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, बस्तर - 494005(छ.ग.)

वर्ष-3, अंक-14 | त्रैमासिक पत्रिका | जुलाई से सितम्बर 2011

दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

संरक्षक
डॉ.एम.पी.पाण्डेय
कुलपति
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शन
डॉ.जे.एस.उरकुरकर
निदेशक विस्तार सेवायें
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत
डॉ. यू.एस. गौतम
निदेशक
आंचलिक ईकाई जोन 7 (ICAR) जबलपुर
डॉ. एस.एस.राव
अधिष्ठाता
कृषि महा.एवं अनु. केन्द्र, जगदलपुर

प्रकाशक
डॉ. एस.सी. मुखर्जी
कार्यक्रम समन्वयक,
कृषि विज्ञान केन्द्र
बस्तर (छ.ग.)

संपादक
डॉ. बी.एस. किरार

सह-सम्पादक
डॉ. एस.सी. यादव

सहायक सम्पादक
सुश्री रत्ना नशीने,
डॉ. बी.एस. असाटी
आर.एस.राजपूत
ए.के. सोनपाकर

केवीके बस्तर को राष्ट्रीय अवार्ड एवं फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र अवार्ड एवं फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड 2010 से सम्मानित किया गया है।

उत्कृष्ट कार्यों के चलते देश के 589 केवीके में से बस्तर को अव्वल चुना गया।16 जुलाई को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में डॉ. मनमोहन सिंह माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शरद पवार, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री डॉ. चरण दास महंत व श्री हरीश रावत द्वारा दोनो पुरुस्कार डॉ. एस.सी. मुखर्जी एवं डॉ. एम.पी. पाण्डेय को प्रदान किया गया।

केवीके बस्तर के वैज्ञानिकों ने उन्नत मक्का उत्पादन तकनिक उद्यानिकी आधारित बहुस्तरीय फसल चक्र, लघु धान्य फसल की तकनीक आदि विषय पर उल्लेखनीय कार्य किये हैं। आदिवासी अंचल में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड से डॉ. एस.सी. मुखर्जी, डॉ. यू.एस. गौतम एवं रत्ना नशीने को संयुक्त रुप से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एस. अय्यप्पन, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. के.डी.कोकाटे, कृषि सचिव भारत सरकार श्री पी.के. बसु, मौजूद थे।

क्यू आर.टी.दल द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यों का अवलोकन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के 5 वर्षों के कार्यों का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की क्यू.आर.टी. दल डॉ. आर.बी. देशमुख, डॉ. हनुमान प्रसाद, डॉ. यू.एस. गौतम निदेशक आंचलिक परियोजना जोन-7, डॉ. जे.एस. उरकुरकर, निदेशक, विस्तार सेवाएँ, इं.गां.कृ.वि.वि. को डॉ.एस.सी. मुखर्जी ने भगदेवा, बड़ेबेंदरी, जरेबेंदरी, लखनपुरी एवं बोलबोला, वि.ख. कोण्डागांव में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन - मक्का, धान , उड़द, हल्दी, जिमीकंद एवं बैकयार्ड मुर्गी पालन इकाई का अवलोकन कराया। कृषकों ने मक्का का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की है। भ्रमण के दौरान डॉ. डी.एस. ठाकुर, डॉ. जी.पी.पाली, डॉ. प्रेमचंद्र, डॉ. बी.एस. किरार, डॉ. बी.एस. असाटी, डॉ. एस.सी. यादव, आर.एस. राजपूत, ए.के. सोनपाकर एवं सरपंच तथा कृषकगण उपस्थित थे।

जिला प्रशासन अधिकारियों द्वारा के.वी.के. की गतिविधियों का निरीक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के कार्यों को 17.07.2011 को आयुक्त बस्तर संभाग के. श्रीनिवासुलु, कलेक्टर बस्तर पी. अन्बलगन, सी.ई.ओ डॉ. सी.आर. प्रसन्ना (I.A.S.), सी.ई.ओ. बास्तानार धनश्याम जांगड़े को डॉ.बी.एस. किरार, डॉ. एस.सी.यादव एवं आर.एस.राजपूत ने तिरथूम, बड़े किलेपाल में केन्द्र की गतिविधियों से अवगत कराया और मक्का एवं रागी प्रदर्शन बुवाई को भी देखा।

डॉ. जे.एस. उरकुरकर द्वारा के.वी.के. बस्तर के कार्यों का अवलोकन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. जे.एस. उरकुरकर द्वारा 27.08.2011 को कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन - मक्का, धान, हल्दी एवं उड़द का अवलोकन एवं कृषकों से चर्चा की गयी। भ्रमण के दौरान डॉ. एस.सी. मुखर्जी एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे